राजस्थान पत्रिका

Wednesday, February 15, 2012

झलकी उत्तर-पूर्व की संस्कृति

बेंगलूरु. शहर में पूर्वी भारत की संस्कृति अचानक से जीवंत हो उठी थी। मणिपुरी नृत्य और मेघालय के गानों पर दर्शक झूम रहे थे। असम और मिजोरम के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भी लोगों को भाव विभोर कर रखा था।

मौका था जैन विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित उत्तर-पूर्वी सांस्कृतिक महोत्सव ओयूरो का, जो रंगारंग कार्यक्रमों की

संस्कृति बेंगलूरु के जैन कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

वजह से भारी संख्या में विद्यार्थियों को आकर्षित करने में सफल रहा। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष डॉ एचटी सांगलियाना इस दौरान विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थे। महाबोधि सोसाइटी से बौद्ध संन्यासियों ने भी प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिए। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर तथा दक्षिण के बीच के भेद को मिटाना और उत्तर-पूर्व की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आमजनों तक पहुंचाना था।